(c) the number of complaints regarding supply of contaminated water supply in Delhi received by Government during each of the last twelve months; ana

(d) the steps taken to ensure supply of pure drinking water in Delhi?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P. K. THUNGON): (a) Yes Sir.

(b) and (d) Details are given in the Statement. (See below) :

(c) As per record 1487 complaints were received by DNSDU from February, 1992 to January 1993. In addition, four complaints were re ceived by DDA.

Statement

A news item appearing in the Hindustan Times highlighted the following points relating to water supply:

1. A water supply line to the pocket adjoining Noida road as reportedly been infected due to large oxidation pond nearly and the same requires shifting.
2. Shortage of water at upper floors.
3. While in other pockets of the area, Ganga Canal Water was being supplied sub-soil water was being supplied in pocket IV The reply to the above is as follows as reported by Delhi Water Supply and Sewage Disposal Undertaking (DWS & SDU).

There was a shortage of Water on the upper floors earlier but after suitable regulation of on line booster' the supply hours have increased and water is now available on all the floors for 5th hours each in the morning and evening besides for one hour in the afternoon.

It is not correct that sub-soil water was being supplied in Pocket IV. Water Irom tubewells as well as filtered water froim the Bhagirathi Treatment Plant is being supplied.

The Oxidation Pond is in no way contaminating the underground water supply, as these tubewells are situated at a distance and the quality of water is potable.

As regards the shifting of Oxidation Ponds, these were constructed as temporary measures and will be abandoned as soon as the Kalyan Puri Pumping Station under construc-ction by D.W.S. and S. D. Undertaking is commissioned. The Civil end Electrical and Mechanical works of the Undertaking are expected to be ready by April, 1993, its commissioning will depend upon supply of power by DESU for which matter is being pursued.

As regards the complaint of sup ply of contaminated water in Delhi, there has been some increase in num ber of complaints as compaired to that of the previous years. This is due to the reason that most of the complaints from city S.S.P. Zone where the water mains and sewer lines are very old and need replacement. It has been decided to replace all old and worn out lines in these areas. An Action Plan has been drawn for this purpose by DWS and SDU.

विभिन्न परियोजनाओं हेतु बाह्य वित्तीय सहायता

632. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ओवरसीज डेवलपमेंट असिस्टेंट के अधीन ब्रिटेन से सहायता और अन्य बाह्य वित्तीय सहायता से कौन-कौन सी परियोजनाएं कौन-कौन से राज्यों में चलाई जा रही हैं ;

(ख) क्या मध्य प्रदेश स्थित इन्दौर हैबीटेट इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट ने मध्य प्रदेश में भोपाल, दुर्ग ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रायपुर के लिए योजनाएं सरकार के अनुमोदनार्थ भेजी है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या इन परियोजनाओं को अनुमोदित कर दिया गया है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री पी. के. थुंगन) : (क) ओ डी ए आंध्र प्रदेश में तीन परियोजनाओं अर्थात् हैदराबाद, विशाखापट्टनम और विजयवाड़ा,से मध्य प्रदेश में एक अर्थात् इंदौर हैबीटाट सुधार परियोजन एवं पश्चिम बंगाल में एक अन्य अर्थात् कलकत्ता एस आई पी की वित्त व्यवस्था कर रही है । इन परियोजनाओं में न केवल भौतिक अवसंरचना विकास और नागरिक सुविधाओं का प्रावधान है अपितु इनमें सामुदायिक विकास और सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक निवेशों के प्रावधान भी हैं जो स्लम क्षेत्रों के निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने में सहायता करते हैं। इन परियोजनाओं के ब्यौरे संलग्न विवरण I में दिए गए हैं। **(नीचे देखिये)**। शहरी विकास, जलापूर्ति और सफाई एवं आवास क्षेत्रों से संबंधित अन्य विदेशी वित्तीय सहायतित परियोजनाओं के ब्यौरे संलग्न विवरण–II, III और IV में दिए गए हैं। (नीचे देखिये)।

(ख) इंदौर हैबीटाट सुधार परियोजना ने ऐसी कोई योजनाएं प्रस्तुत नहीं की है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण–I

ओ० डी० ए० (यू0के0) द्वारा वित्त व्यवस्था की गई स्लमसुधार परियोजना के ब्यौरे

क्र०सं०	परियोजना का नाम (राज्य) तथा अवधि	अनुमोदित लागत करोड़ रु० में	दिसम्बर 31, 92 तक किया गया खर्च करोड़ रुपये में	विचार किया गया कवरेज
1.	हैदराबाद स्लम सुधार परियोजना–III (आंध्र प्रदेश) 1989–90 से 1994–95	34.36	20.46	300 स्लम जिनकी आबादी 5.30 लाख
2.	विशाखापत्तनम स्लम सुधार परियोजना (आंध्र प्रदेश) 1988–89 से 1992–93	25.02	18.84	196 स्लम जिनकी आबादी 2.15 लाख है
3.	विजयवाडा स्लम सुधार परियोजना (आंध्र प्रदेश) 1991–92 से 1995–96	49.15	9.90	136 स्लम जिनकी आबादी 2.48 लाख है
4.	कलकत्ता स्लम सुधार परियोजना (प० बंगाल) 1990-91 से 1995–96	39.12	7.53	167 स्लम जिनकी आबादी 2 लाख हैं
5.	इंदौर हैबीटाटा सुधार परियोजना (मध्य प्रदेश) 1990–91 से 1994–95	35.45	15.57	183 स्लम जिनकी आबादी 3 लाख है

विवरण–II

शहरी विकास से संबंधित बाह्य सहायतित परियोजनाएं

क्र०सं०	परियोजना का नाम (अवधि)	परियोजना लागत करोड़ रुपये में	सहायता की राशि अमरीकी मिलियन डालर में	सितम्बर, 1992 तक संचयी व्यय
1.	तमिलनाडु शहरी विकास परियोजना (अप्रैल, 88 से मार्च 95)[1]	632.55	444.37	544.33 मार्च 93 तक तक
2.	उत्तर प्रदेश शहरी विकास परियोजना (अप्रैल 86 से मार्च 96)	346.12	135.053	214.44
3.	गुजरात शहरी विकास परियोजना (नवम्बर, 85 से दिसम्बर, 93)	174.00	61.10	153.58

विवरण–III

विश्व बैंक की सहायता चल रही जल आपूर्ति तथा स्वच्छता परियोजनायें–संवितरण विवरण

(अमरीकी मिलियन डालर)

क्र०सं०	परियोजना	कुल लागत (करोड़ रु० में)	ऋण समाप्ति की तिथि	मूल ऋण क्रेडिट	1992–93 के लिये संवितरण लक्ष्य	1992–93 के दौरान नवम्बर, 92 तक संवितरण	नवम्बर, 92 तक संचयी संवितरण
1.	तमिलनाडु जल आपूर्ति एवं स्वच्छता	321.86	30–6–93	73.0	15.0	10.393	55.268
2.	केरल जल आपूर्ति एवं स्वच्छता	174.12	31–3–93	41.0	12.0	—	22.522
3.	बम्बई–III जल आपूर्ति एवं स्वच्छता	800.0	30–6–94	185.0	30.0	4.418	55.308
4.	मद्रास जल आपूर्ति एवं स्वच्छता	205.00	31–12–95	69.0	18.0	1.744	16.282
5.	हैदराबाद जल आपूर्ति एवं स्वच्छता	257.6	31–3–98	89.9	20.0	7.668	20.448
	योग			457.9	87.0	24.223	169.828

विवरण–IV

बाह्य सहायतित आवासीय परियोजनाएं

परियोजना का नाम	1992–93 के लिये बजट अनुमान	92–93 के लिये संशोधित अनुमान (करोड़ रुपये में)	92–93 में हुआ व्यय	अभ्युक्ति
1. के.एफ.डब्ल्यू. हुडको–II (ऋण)	34.00	34.00	23.45	अब तक प्राप्त बाह्य सहायता हुडको को पूर्ण रूप से संवितरित कर दी गई है। यदि 31–3–93 तक आगे कोई संवितरण प्राप्त नहीं होता है तो व्यय न की गई शेष राशि जमा कर दी जायेगी।
2. के.ई.डब्ल्यू (ऋण)	8.0	15.00	7.03	–वही–
3. के.एफ.डब्ल्यू.हुडको–III (भवन निर्मिति अनुदान)	5.00	5.00	के.एफ.डब्ल्यू. द्वारा कोई संवितरण नहीं किया गया है।	के.एफ.डब्ल्यू. से और अनुदान प्राप्त होने पर ही इस वर्ष के प्रावधान को उपयोग में लाया जा सकता है।
4. ओ.ई.सी.एफ.हुडको (ऋण)	45.00	6.00	ओ.ई.सी.एफ द्वारा कोई संवितरण नहीं किया गया है।	ओ.ई. सी. एफ.से ऋण प्राप्त होने पर इस वर्ष के प्रावधान को उपयोग में लाया जा सकता है।

गुजरात में जन सुविधाओं के लिये धन राशि का आवंटन

633. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केंद्र सरकार द्वारा गत तीन के दौरान गुजरात को राज्य में जन-सुविधाओं में सुधार हेतु कुल कितना धन आवंटित किया गया और इस कार्य के लिए कुल कितना धन खर्च किया गया; और

(ख) राज्य की जन सुविधाओं से संबंधित कितनी योजनाएं केंद्र सरकार के पास लम्बित पड़ी हैं और इस संबंध में